[illegible]॥ मोरअंजवारबरेअं
गअंगरंगनरेश्रमननाइनैननिकी
बरनीनजातिहै॥ अधरअंजनली
कपबीहैकपोलपीकवसनपल
टिपरेसोमोजलकातिहै॥ रसमस
अलबेलीलटकीहैलालमरमद
रीकीअरसानिरषिमुसिकातिहै
हिंतिभ्रवग्रैसीछविदेषतहीरीझिर
श्रीतमकीअंषियांतौकौंजुनअ
घातिहै॥ ॥ रसमसेरसियारसभी
नेहिरवाररहेहुरिकेमनहरना॥
नेबिसिसिजागेरगमगेलोचनप
गेरंगरतिअतिसुरंगअंगअंगम

लोलैफूलै।कुंजकेलिनवरंगबि
रीसुरतिहिंडोरैझूलै।निसिजगे
ग्रलसातरंगभगेपटपलटेगति
भूलै।आवीवलविथुलथुलकल
लिताटिककोटिदेषतहुमभूलै।
।रागमगेरंगमहलतैंआवतमे
रहेरतिविहारसुषकीयै।चलतमि
गतहंमतदोऊप्रीतमअतिउनम
तमहारसपीयै।कछुमुसिकात
आरमनरेनैननिसमरसुमिरिजु
रीविलसेहितअंबचपितनाहिं
तहीयै।।४।।अलकत्नाराजति
अलबेली।भुजजोरैपियछैलछ

थोर [illegible] लिनोनगेमलविने र
रवि [illegible] वैनवितानवविविम्रोरवि
रक्षवनवलेषुणा [illegible] ग्रीम्रन्वौ
रमनवनोरा [illegible]
यांविनावृलेष्वेम्रवञ्चमहमोः
[illegible] नदोहता [illegible]
[illegible]
[illegible] ठविवुवि [illegible] रविरंणवि
[illegible] विश्चुलोम [illegible] नणा
[illegible] राम्रोवि
[illegible] मौगहमोद्भिगानितियावि
गमविसारात्राहरविविहियेन
मनोवरमनम्नमन्नवैनाःखपाति ।

थोर [illegible] तिनि नैन नैन सुखिनै र
रहि [illegible] नै लिति [illegible] लखि बिम्बोर दि
रुकवन बलै [illegible] औ
रमा अब चोर [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नि [illegible] ग
[illegible] राम्रलि
[illegible] हनौ [illegible] नितियलि
रामलिसासा [illegible] हरखि [illegible]
[illegible] बरपतन्य मतवैनालप [illegible]

रसदंनारालटकिवलविहितल
लविंडसपियडोलतवनकुंजे॥
अमितगहतेउसहजतियवर
मलझोंनैदंदुजो॥३॥मदपछसाब
नसघनमैंघंठुपन्हरहीछाय॥मो
रस्योंमन्त्रगागम्मनुवनदियै
रगायाआपृदा॥सोभितश्राजुछ
बीलीजोरी॥सुंदररसिकनवलस
नमोंहनप्रलबेलानववैसकिशो
री॥वैसरिजनेहंसनिमैंडोलतमोहू
विलेतश्रानमतिंचोरी॥हितध्रुवफ
दीमीनयेमंपियानिरखतरूपप्रे
मकीडोरी॥४॥नैनकरतमनुहारेवि

रसदं जोरा॥ लटकि चलनि हित
लखि छबि प्रिय डोलत वनकुंज॥
अमित गुहत भुज सहज तिय वर
मनोत्रानंद पुंज॥३॥ रूप छटाव
न मधुन में दव ख्व रही छाय॥ गौ
रस्याम के ग्रागागने मंजु वन दिये
राग याभ॥४॥ पद॥ सोभित ग्राजु छु
वीली जोरी॥ सुंदर रसिक नवल भ
न मोहन रूप लंबेलीन व वैस किशो
री॥ वेसरि छबि नेहंस निमें डोलत सोहु
वि लैत प्रान मति चोरी॥ हित ध्रुव फ
दी मीन यकम प्रिया निरखत रूप प्रे
मकी डोरी॥१॥ नैन करत मनुहार वि

परसदे ऊरक्पलकदिषियतनँ
मो॰ ॥ औटर्पनमैंनैंनँमहितरूपेन
दिपवारो ॥ श्रीमटजोटकोप्रति
विऊपरतनमनधननवृ्छावरका
॥ नवउरजउतंगरंगमृगमद
लेनवलबिचित्रचित्ररचत ॥ ओनमैं
नकंचुकोकोटुकोमालपिमवारो
रपेषमकिसोवैगरामुहरोविचबि
बप्रतिरंगुबाटतजबकरलचत ॥
फेलेरंगहिगहिगाहिपोंछतहारि
नमाननतफिरिफिरिगोंछतसंनरि
मुभरतनेकुनउमचत ॥ वह्वनरमि
केप्रेधवनीयेकंचुकोमोवनीवन

अंगनिरषिमोहनवडनसोंह
छकरी॥ वृंदावनहितरु
मनियोंपियगतिमतिजकरी॥७॥
लालतुमरसनिधिप्यारीपाई॥
मानागकहाकहिवरनोंगतिम
नातिहिराई॥२॥ देषोहछि
आपुहीग्रंथिरजअंगनिकाई॥
नछिनछिनईनईछविछलका
तिवोराई॥३॥ जो
प्रेमफंदनहीवल ॥
हितुमिलैसारदामोह
जाई गुनलावन्यरूपह
नागरिकिविविधिविरचनाई॥

हे रसवसकरिलीनैं श्रीहरिदासकेस्वां
मीस्यांमांतोमीतियाकहिधोंकोहै ॥ २
वनीरीतेरैंवारिचारिचूरीकरनि
वसरीडलरीहीरनकीनासामुक्ताट
ने तैसोईनैंननिकजराफविर
निरषिकामदरनि ॥ श्रीहरिदास
वांमीस्यांमांकुंजविहारीरीझिरी
यनैपरनि ॥ ४ ॥ वीवासांव
लालातेरा श्रोरूपमलकनावे
हुतैमनमोह्यामेरा ॥ सऊवतमऊव
तवडारसश्रोसरसांकसवेरा ॥ सूरत
रूपषुमारीप्यारीनुकलनेहघनेरा
नरिनरियोकूंपिवांकंतुहीश्चवग

है रसवसकरिलीनैं श्रीहरिदासकेस्वां
मीस्यांमांतोमालियाकहिवेंकोहै ॥ २॥
वनीरीतेरैंचारिचारिचूरीकरनि
वमरीडलरीहीरनकीनासामुक्ताट
नि तैंमोईनैंतनिकजराफविर
निरषिकामदरनि श्रीहरिदास
स्वांमीस्यांमांकुंजविहारारीफिरा
ायनीपरनि ॥ ४ ॥ बीवामाव
मालतेरा औरअमलननी
तैंमनमोह्यामेरा सऊवतमऊव
तवउरसऔसरसांकसवेरासरत
रवभुमारीप्यारानुकलनेहघनेरा
मोरिनेरियाकंपिवांकंतुहींअचग

नधरत किसोर।।७।।जब

श्रुकरबैनेजनपु

नवाति।।सजि सिंगारलापि

कारतबंबोौंपहियरनपलहा

।।८२।। प्यारीजू सुंदरवदनति

हारे।। निरषि निराषप्रीतमसचु

पावतनिमषदिहोतनमारोम

देहासिपरहासिपरस्परनव

नेहनिहारो।।श्री विहारीविहारि

निदासिरहसिरसश्री हंदावि

नविहारौ।।८३।।सुनगसुहागको

चिह्नप्यारीतेरैचरननिसोहे

नकोजराजतहंदावनदेष

सिखि विहरत छवि वढति सतगुनी
ऐसी रूपउजागरी लिये रहत
कंतीमनी सौं पिय प्रांनति
री वृंदावन हित रूपजोंउ बलिस
वविधिनि धिश्रनुरागरी॥४॥ चे
तरीसपियां चितऊनि मैंपा
वितटरकि कोरखलतिरंवक
जऊतमैनवहीपियहिय
केठहुअरकि तेरीतनकरूख
नैवजनचततेरावातनिरहेन
मरगरकि वृंदावनहितरूपगु
नऊदारत लालदेषे जीवतजा
हिनैकुनइतउतसरकि॥५॥

मीनकेतनकेनिकेतनहै॥ अधरनिरंगमे
वीकाकीचमकहोतअँखनिअलिछि
तकटाछिसरदेतहै॥ नागरियाओट
देतवूराहमिहेरिहेरिफेरिफेरितान
गायेमनलेतहै॥२॥ वेठहेरा
संगकुंजनवनअपनेरंगमुरलीम
धुरमारंगमुखगाई॥ मोहनअ
सुजानसकलकलागुननि
धिजाकतानचूकिकेबजाई॥ या
रीजवगहेबीनसकलकलागुनअ
नअलिनवीनरूपमहितवरी
सुनाई॥ वल्लनगिरधरनलालरी
झिरईअंकमालकहतनलैजन

के कहा कहौं कछु कहत न आवै
छवि छाई। गुलाल माल सोभित उ
ल उर सो ना कही न जाई॥ मानौ
दामिनि अपर सर सुती मार बनाई
नन तरंग लोचन मीन पर स्पर
ई॥ श्री कमल नैन हित नेह
रि बिस बावलि जाई॥२॥ रूप की
मालाराज ति सषि मंडली
तिन मधि सोनावट परी आज॥
पावस रितु घन दामिनि कौ रंज
सों दियौ सुन घरी राज॥ तस
वरी गुजारति गावति बधाये
निस माज॥ वृंदावन हित रूप

नि:म लह नि खु विजैरा मनुक
किरि नी कन तीमि लिखुकि
कंफरू नवि कि लौरा।पालखिल
कुमनि प्रसंम ही रूद्न तपेल खिल
नफ लिलि ज कुजा निवि रमिये
कुलभ लीकलि हा।मा।ढा।पद॥
नकवरनकदलिनुमैंप्पारीडरि
डरिवदनदिषावैंहो।नीलेंव
नेंपाछेंराकापतिप्रागैंधावेंहो।
कंचनगिरसाषाविदारिकिधौंवि
पुलतेजदरसावेंहो।हंदावन
नरूपघटाकेसुषडेलैंउवरषा
हो।१।बोलतकंतकंतजाइ

हलथैमहलमैस्रहल
गमहलकातमनहर
कैसेहैजसुहागपायाप
निकुंजनिमिलिघलतगु
लनागरीनाजापृजपनि
रगहैत्रयांनलेतदेतउतं
अतिउछाजावचनरव
नांहिवारालेतकरसांमुठ
सहारसदरतयोंहसैधरत
जाश्रीविहारीदासिकीस
रसिकनांमिनीयोंहीसव
नेजातनऽन्हैंप्रेमकेनंमु
॥ ११ ॥ कुंजमहलषेलैए

रजवंदततिलकबनावतमालैं ते
कुंनबसनआभूषनउरधरचंप
लैं ॥ श्रीविठलविठुलविनोदविह
नुजनरिनाउविसालैं ॥१५॥ आछी
मांतुवीलेवैवैंहैंछुवीलीनांतिरतन
कंजमांहिवातैंरतिकरहीं ॥ परम
प्यारीताकैतैंअधिकप्यारीरसमरी
वनिचितैचितुहरहीं ॥ नवलनव
रवेधौहैमरसमजायआनंदकौरंग
सुधरसमटरहीं ॥ हितकुंवराजिरी
वेलौनकछुआाहिफिरिफिरिप्यारी
लपांयनमेंपरहीं ॥१६॥ जबप्रसंन
दपांतेरहिगातबचितअंतेरोमुख

सु दे वा रंग रैं पोति दिपति सुष को जे
ति दे षि दे षि प्रान पति री झे तो हि वै
म लौं ना मनु मोहै । निरषि थकि ते
इं स बा सब मेरा आली जो जो प्रान प्य
री तेरैं सुष जो है । रस बस करली नैं
हि ति सके स्वांमी स्यांमां तेरा उपमां
कौ ना हि धौं को है । [illegible] मेरौ लाल रंगी
लो रंग न स्यौ । जो ना वै मो कौ रो कि मो
री मोहन तेरें बस पर्यो । जमुनां पु
लिन निकुंज भवन मैं सर्व सुष वि
लौं धर्यो । श्री विठल विपुल विनोद
विहारी स घन गोविंदै बरष्यो ॥
अर्ध मह मां ते लगा नि लगे रंग मगे

हतसुरनारिसोपायपलोटनहार
।।४।। किहुंनैकहैं अतिगतिसहत
सुहतनहतडिगवाराबकैं
दरहसजकतसहतलपवष
।।५।। प्रांतेसुरहैंषसनवसयैर
तुरनलमाया।।ॐसोअछियँल
अनघचषकदेतवकुरगया।।६।।
तेलाजललकनउतेसप्रियं
अवालोहाकरकरदहैंदयादे
षुउरलावायु।।पद्दा।।तेरैरसवक्ष
रोतासातेंहांहूषनांनडलारी।।८।।
वनजुवतीपटतरनांहिनउपमं
कौमतिहारी।।तेरौहीसुहागनागंत

वनवीथनिजिततितितेरौईरूपडिग
अवगाहतु॥धनिधनिनागसुहग
रागअंनंदघनसववहजजुसराह
तु॥१४॥किसोरीमेराजीवनप्रानवा
रवारकहाकहिसमझाऊंहजाग
नहिंप्रानजवदेषौंत्कउरनैन
सुषविनदेषेंअकुलांनॆ॥श्री
नैनहितहैंवसतेरजांनतहौजिय
जांन॥१५॥घूघटपटमूडहसनि
लिसुहाई॥लषिलषिलालचौंही
सौंहांप्रीतिकडाई॥रहिनमकतेम
कुचेंअलिगनमधिनेजलताम
रसाई॥लालरूपहितरूपरसा

थिपरमरसिकसुखदैना॥२॥हि
नवलंनवलमलमलदलरीकरीतने
मौहा॥भीजतपुनभीजततिरछे
तिवस्रिथलौहा॥भ्रतरसुसम
वहीजियेयेहैवातुरीश्राद॥श्रिय
है।ड्वतरांनकोलग्रीरहतवितव
हे॥ध॥कहीकुंवरिश्रलिकांनल
पोयियप्यारेप्रांना॥पुलकिरोमसुर
ंगमौजकिथकिरहेसुजांना॥५॥
गरीयीयकेकांनमेंनरीप्रमकीवा
महबसनरश्रायेगौमैवरीछिपावा
गता॥६॥पद॥श्रहोलालकेतिका
न तपतिन
पतिहारेइनमैनिकवकहोतामोह

हत ... रहौस्यांम बलि बलिकी नं
होंयासमकु तिकोजांतिवूजिउतरत
त औजौमें कहो बातकछू
तेंश्रमीसोग्रचैकैं
त मोनहीमें गुन
ईनीतरीतोवुद्धिमैं तेततनकन
हूंदावनहितरूपर
कैंजानैंइहिंविधिरहिरसपीज
कहतसषीकेश्रवनलगि
हितोस्यांमभाईप्रानतेंस
कितनहीयनयोंसजनांश्रवि
तमवचनजवसुनें प्रीतमकीसा
ईनेहकीनिकाईमाईप्र

ताहिलीलालाओरस्यांमसकिर
दिनप्रहुडरगनसहरिजाला।
पैंड्यैंरमैंमैंउनबिश्रेंउस्व:तरनि
मैनाहिजबढिन—— पृ: पेंघु
तकिहिलदेनागरा हरबिउवीत
सुखपखजुगस्याममनविकासम
श्रेकुरपद्मवपरिफलितानंद
कैतजलासाइगरबहियांहि
यवमहियांततसुप्रतहियांबल
।सहियंझहियांज्योंलगीकोतु
कचितनवेलाग्यालिडनवाड
किपद्मसंतक्षोटतनिजपट
कलालिजालेजाकसमअति

हनअहामत्तगजगतिजुटलेहैं॥मु
नवघनमैकौंधतिदांमिनिपवनप
तपटछोरहलेहैं॥२॥कटिउरसीव
मुरीकमलकरतनजोवनगोनाउ
फलेहैं॥इसावनहितरूपवलिगई
गोरीगावतरंगरलेहैं॥३॥वनीआ
जुआवतबालालटकिधरतिपगव
नकौतिकजुउमाज॥हगअतिलोल
वदनमृदुमुसिकनिथिरकतिवेशरि
दमकतवाजूवाज॥सषिनुमुरली
सनामनौउरगनपारसुवेगोसमि
नलोउसाज॥इंदावनहितरूपनि
मिवाछुतामेंगोतालेतुपथिकमउ

मकोकांनि . पिहारनिदासिलआव
छिनछिनहिलगहि एकोजांनि ।।
हपतिधंननोवतेअतिलउ
छिनजोईपलनिकटपाइय
िजनमसोईनागनिवड नो
नोतिकोगोरगोरछविम वि
नमैपरोरहतगम नागरी
अकहेबातहेहियहीममुकेचोप
बायचउ ।।२।। कवित्त आलिन
आगैनीकैनाहकोन निरषतिनै
ननिमैनारषिमोनेहउमग है
वालमकोवातबुझैबोलतन
कुपरिनारकेमोवारिजवद

तेरांनसौं जांनैपियजीकीगई
हेलीसबदेषतनवेलीडरांषलि
नैसौं [illegible] दावतीकौनार
नैदेषतनदीवनलियैसोसुकुंवारानै
नेतनैप्यारा है माफरीसहजकछुक
नवनिआवेनैकुहांकैचितवतचकि
नविहारा है कौनेनातिसुषकोअनपव
तेसरसांतिकरतबिचार तवजातनवि
रारा है हितध्रुवमनपयोहवकेनवर
गांजनेहवमनयेसुषिदेहकीविसारी है
[illegible] फजरागुलिरह्यौप्रोरवेदीरा
की पियसुहागकीफलकनिसुषपरल
नकनिनेहदसागोरीकी सहजसिंगार

गो॥छुटीअलकैंमुखमंजुमिंहींछुतिमू
लछुलांनिअनीमुरलागो॥बदीअवि
थांनिकैंअंजनरेखलजौलीचितौंनि
हियोरसपागौ॥सुहागभैंओपित
हिंयेघनआनंदजांनपि
गो॥ ॥४॥कवित्त॥ उरजउतंगगु
तनरसथंगअधरसुरंगमैंरंगी
लैजातहै॥ कैधौंगुहीबेनीसुतनैंनी
सौंहसायननरीआयननरींछबिहिमिल
सिरसरातहै॥ वह्ननरसिकदो
नुयनपसुपचेकितयकितकितघों
कितरातहै॥नैंनंनमिहांनतरसा
रसोंनलनचांनमुसक्यांनआंनद

गै छुटी ग्रलकें मुडमंजु मिं हीसुतिमू
लकुलो निग्रनी मुरलीगै बदोग्रवि
यनिमें पंजनेमलजालावितानि
हियारसपागै सुहागमैं ग्रपितना
हिं पछनग्रानकूजानपियाग्रनु
रागै ॥ दोहा कवित्त ॥ ग्ररुनउतंगमुणि
तनरसैंयंगग्रधरसुरंगमोरंगीसीम
तिजातहै ऊंचीगुही नी
सोहमायनरीग्रायन
सिकातहै वेलिनर
मुखरूपसुबचकितथकित
कितरातहै नैननिसिहानतर
लचानमुसकानग्रान

लैननेहनवीनसषीतिनसों
चैमुषमोरतिहैं प्रथमागमसं
कुहूकुहूपैचितमैंरसरीति
रोपि [illegible] मगंघटप्रे
मैंकवृत्तपियसोंडिगजोरतिहैं
जितनैंचितयोवहिंवोस्वहैपु
तराजुरिलाजनहोरतिहैं
मोहनललाकोमनमों
हनोंविलोकिवालकसुकरा
तिहैंउमंगउमाहकौं सषिनकी
मतिकौंबचाइकैंविलोक
आनंदप्रवाहवीचिपाव
हकौं कविमतिरामओरसव

रीझिपाग्रवलोकनिदांनदै
तजुलोचनचकोरहैताहिवदन
इदुकिरनपांनदै सवविधि
धरिसुजांनसुंदरिसुनहिंन
तीकांनदै गोविंदप्रभुपियवर
न रसिकहै पियजाचककोमा
नदै मेरेनैनांहांयहजांनै
जेतिकनारपरतत्र्यवलोकतले
रवोरहुविमांजविकांनै रूपअ
गाधस्त्रवाधसघांअंगअंगरसनां
वधुरीकहांवषांनै तनमनवूमे
जातदेषतहीकहांहायजरनीत
रश्रांनै सुधिबुधिवेलविनुच

।।लिलितलिनवृन्दलहिनिलाडिलीनि
लेवृंदलेअलीलाला।।रूपजीजरसप्र
तक्रीमालनतुलीलाढिनिहाललाा।।४।।पद
।।अनतनतीअंषियनिचितवतीक्रि
तिहैमनलालकैनववालचवलतिल
रुकतिगतिआवतिहैसुषदैनातनमि
गारसुकुँवारसमझिकह्योस्यामसोजै
हौसैंसुषलियेनैनसैनविनवैंनप
लिआयेसुषपाइनवनिकुंजमेंसुषपु
जप्रियापियउदितमुदितमनमेंन
श्रीविहारीदाससखामिनीस्यामवरव
सकीयेसुरतिरतिजीतेयोंगरवगाने
न।।१।।दिपिदेविमुषजीवतयोंसुष

करार्ईमं रमतामलमुदितमनसि
जविवसाई नितनवीनप्रेमप्रवीन
एडुलहडुलहिनिअधीनदे
वनतिथनिकहुविवरनीन
विहारनिदासिराफ़िरहीअबपलनि
कोचपलाई ॥५॥ रागगूजरी ॥ या
ल्याएकेअडुकरकौमिलापवारी
मैंहैंनेएदेहा॥अंधियारीघूघट
थैनवजोवनछकदृस्यामजगौंन
लिलैंवरतनुजहरसकौंव्हराशाप्रे
मतिरूपसकौंनकाहिमनप्रेदाहिं
गौनापुविकटाछिनमौंगिरैदीव
महारैंषौनाशालललनारिजायेव

रविहारीविहारतिमोहेगतिको
होचितवनिहसनिक्योंकहिपरति
परतप्रेमनिपिवाइकै चि॰गहौ
रीसषामेरेऔजान
थैंआंषिनितहां चितव ततर
तरवतिरछौहैंनतकि कीयै
छहां नागरीदासिचरनजु
नियहसुषमोकोंप्रनतकहां ॥२॥
हुरीविरिएकसरचरनन्हरमंडि
तजावकजुतपग अवयवश्री
तरूपगुनसागरछवि
मनहिलगमोरचरनजुग
वंदनबधातिसकिरविप

रीवतरांनिउचरहीं।ऋवजकवज़
हिजातएकटकवुजरिछु
यांधुरिहुरिहीं।नागरीदासिमें
नौमोहनराजिपरमपर्य्यंक
रहीं।।श्रीकिशोरि।।सीसलाय
छायहियेपैवसायराखैंडरमां
नमनआवैप्रांनतिमैलेधरे।हेरि
हेरिचूमिचूमिसोनाछकिहूं
येमिपरसिकपोलनिसौंमजन
कियोकरौकेलिकलाकंदरवि
लासनिधिमंदिरयेऽनहींके
तहौंमनोजसिंधकौंतरौयातें
घनआनंदसुजानप्यारीरी

यस्यांमसुदंपतिजोजियचाहजतासु
लही॥४२॥ प्यारेहसिनेंटोडलही॥कि
हिंचिविठुटेसकपपियसौंतियल
तापकलउलेही॥ वदनउराव
रूपटमेंजलकतेंअॅषियोंतुं
ही॥नागरियामोहनमुषबोलत
दरतोउलही॥४३॥ आजरंगहेनिहार
नौपेंकुहरिसुहरिउवैंलहरिनेह
मभिलनिप्यारमुषहंघटपियषो
ततिजकंपदेह॥जानैचोरकुको
पियांसकउचनरीसुषस्यांमगेह॥
निरषिइकटकमनमोहननागरी
दासबलइयालेह॥४४॥कवित॥

रतमुधरपीकअधरपरसकैं।लषिलषि
रूपछकिथकिचकिजकिजातअति
ललचातदूरिकरनकरिसकैं।।५।।
लाजनिलपेटीचितवनिभेदभाइभ
रीलसितललितलोलचषतिरछां
नैं।छबिकौसदनगोरोबदनरु
लरसनिचुरतमीठीमृदुमुसका
दसनदमकिफैलहियैंमोतीमा
तिपियसौंलटकिप्रेमपगीबतरा
मैं।आनंदकीनिधिजगमगतिछ
लीबालअंगनिअनंगरंगदुरिमु
जानिमैं।।६।।कबित।।कैरसवा
हकसिहासिमुरिजातदूरिमा

नह थँ दिनै माकनमुसिके
ग्रसिलिमादनकोर हेदाव
दिनकपरग्रंथलिग्रमसुदितवि
तनथुग्रमकामनमार विसिधि
रविमिरलितथनगांहिनपेरेकित
मथर्ग्रविर्ग्रमिलहतगैरम्मा
रतनिहिछविराजरजिघि
थुहरसमदथंगाघ्रिनदिनमेघ
नमनुगावमहनाकिरताहंम्पा
पुमश्रोतिश्रीमिथुनमु
वलिमानकैतिरत सि
दनमैकरिमनमायों
लालतसवृमविलम

सिरकलंगीछुविसरसातरहिनारी
ललिताबारीदैबातकरतप्पा
के नागरस्यांमसबानिरततथा
गेगांनघमद्रिरद्योकउति
होत फमोउदोफेंटागोरनाल
रबैदीलाल सौंनेमतकलंगीके
फुकेहांहनेंछुटीग्रलकस्यांमपर
हालसुबनबनीनथफेरतफिरफि
रानषातडलरातवाल दरपनलवि
फ़रारीफ़िलजिउंगीपियामौंनज
नरीवल्लनरसिक
प्यारेरूपवि
वरवि

वहे रिहे रिबवै चौपकौं क्लनअघात
।।३।। कवित्त ।। प्यारीजूकीभुमिका
जुरी सीकौं धिजातिप्यारेजूकेउरलेंनरे
घसीटरतिहे नरिनरिप्यावेंनैनकेसे
क्तनपावैंचैनबांनकीसीअनीहिये
रखौकरतिहे लामिलीनवेलीअल
वेलीबानिमा...
...धातासमतहीराधे तेरादरसपरस
मजीवनसुनिरीलरैतीतरसमसि
धेहौंमनवचक्रमतोहीध्यावतुतु
हितकोवज्रसाधनसाधे हंदाव
हितकहतलालयौं षमृडवांनी
छिन ।।५।। मैयह

गवेहिवास्यौ राजतिवांमदिसप्र
रमविचित्रबालरसिकलालप्रिय
दुरततदारिहगमैनमुषचितव
हमुदकरसरंगमीनकंअधीन
श्रीरसिकउपजैहैरिकैहि
टिककुरंगहंदावनहितकुटिल॰
टिष्ठिलरतिलालहगपंग।।
मानायवीणानूराकाश्रनुकेम
लापवारीमिदैन।दोहा।।चौरति।
हितमोरतिद्रिगतिजारहितरजउत
गा।।विवनरचनदलकुंजमैंउवत
मैंनतरे।।।।चौपवठेचायति
नदपठैकौकमलनीता।

श्रावपुराकौ परकतुहीयौहै रसको
गितुकौ अकट्कहांनीकोसमवीयौहै
वृंदावनहितरूपकुंजनिमेकौतिक
कीयौहै ॥ धाम्रस ॥ स्यामाकौ नृत्य ॥
हत कुंजमकौ मंडलपवारीमेदैनेद
॥ मुनगानमानतवालहुवंजु
तिगहुलोलनहाप्र ... प्रनश्रमिल
अतिनवस्पतनृत्यमां ॥१॥ लिये
हियौ हरियावकोदियो सुरतिमे
॥ कियौ हुसवसश्रापनैप्रेमसिंधु
ज को जोरा ॥ सुरतिनदीकोलहर
मैकहंहिलारसिकीना ॥ पियमनप्र
नप्सोरमैश्रमलाग्रजिहिदीना ॥२॥

नैं छबि की धनी भनैं नृप ब्रजराऊं नग
वर नवरन पवन झकोर औरघोरिघो
रि ब्रकि दिसछुटी जलधारा लागै पौं विट
प फरन॥ वृंदावनहित रूप पातपर छे
ई के रंग औंटें पिय प्यारी गरें मनके हर
न॥२८॥ प्यारी तिचू मधुमारा मधुमारी प
हिरैं लाम॥ अतिरीटा अति रंगरंगीलो
पुलिरहीउर पर चौली स्याम॥ अंबल छो
रै मारियालो सिरपर छबि की छुटालय
जे को टिकाम॥ वृंदावनहित छुटी लट
ओं ननर है इक टक अवलोकि स्याम
॥२९॥ हंसघन नयों आली री तिन हिग
ओनादवि॥ विका दामिनि ओरज

पाछुकोनरचन्नमसेवास्योलालमजा
जवमुरिचहौ आयचुनी श्रीबीक्ल
वरषनदेषिलतागृहैमदनजीतिव
हैंदावनहितगुनिगुनी ... सिसुह
मोपैंकहैतेरौतसवेंपरगप्रेमरानं
नीनखअंगअंगवांनीप्रीतमश्रानम
मांनीरसिककिसोरसुरतिसुखदांनी
कोजांनैवरनैवसुराककविप्रेमुतछ
बिनहिंजातवषांनी श्रीबिहारीद
सपियसौंरतिमांनीमैंजांनीसयांनं
तोहिसवनिसिसुखसिरांनी ॥३॥२
सिंकुवररसिकनीरसरासिरसिकसु
वररसिकनिजीवनिजुगलपरस्प

आवतऔंऔंतुंदपरतचूंनरिपरिसौ
सौंहरिउरलावत ॥टेक॥ आतिगंनार
फौंनैमेघनैकीउमतरहिनविरमाव
त जैआमेटरसिकरसलंपटहिलि
मिलिहियसतुपावत ॥२॥ सांमसुन
गतनपातवसनछुविकुंवरिगहरं
गकसंनासारी लहँगापीतवसंतरत
हारावलिचौकीकुंचकिविचकंचुकी
सगी हसिवतनरितसंरगि देखतलस
तपकआसतुजसकुंवारी ॥ दोउमहि
मलारनिगावतनागरीदामिदरमि
ढीतिवारी ॥३॥ कंवनतनछविफबीहै
लहैतीकसूंनीसुरंगसारी ॥ सहजसुहा

निवेगम्वलिसौंवती ॥ प्यारीरीछिनछि
नैआवतहैंवरषासरसांवती ॥ वहिसु
निमिलामलारवैनधुनिआवतहै
वरषासरसावती ॥ वहिसुनिमिल
मलारवैनधुनिआवही ॥ प्यारीरीक
हिकहिराधेतोहिडुलावही ॥ सुनत
अंगअंगरायकछुमुसक्यायकौ ॥ प्या
रीझीजतहीघनेमोकवलीअकुला
यकै ॥ सनमुखआयेस्यामसुजननेरि
केलीहे ॥ प्यारीलपटातहनितमा
नमनहुछबिबेलीहे ॥ योंदंपतिनिति
करैंहैतहांविलासकौ ॥ प्यारीहुंदा
वनदयौवासमैनागरीदासकौ ॥ २१ ॥

है प्यारी अभिबल
कुलांती है ये प्यारी विह
ह मिले पियप्यारी है प्यारी जनमाधौ
वेल जायचरन उर धारी है ॥२॥ आया
बृजपर छायजो जलवादल झरि
रण समये सुषले गमनोरथ दंपति
हियधरिया मिलियारसिकविहारी
प्यारी जकार जसरिया ॥३॥ पावसरि
तु बृंदावन कौ डाति दिन
रसे है छवि सरसे हेल मिउं
घुमौं घन वरसे है हरियातरवर सर
से मैरि
न मोलै हे प्यारी जी रो वागसुहांव

नंलाकंमा।सेनछिद्रैलोमेहछरीहंख
नमाढ़ैश्रृंमा।राढ़ैछोहेगकैवेविखमम्मा
छिपह्तायाचछिहेंसियाफसियारुजो
कैयोहरषगयैछायाशातियकिसांला
किसहैलयोउवीवमेललमायगम्याव
नाडगलाजवचन्दमानैंहदुषायार
।।लासरनानीकयैष्पावैछैदवराजाइं
तैमायोमेहपरयांनैष्पाइंलाजाया।ना
लोरालीसंकयोगायगायकिरमाय।।
वैछिनलांछिमाइयोसैंपकिरतांराय
।।पा।।छमाला।।घरहरघूमरांजीछकछाजे
क्षारोगाटैमाक्रूष्पावैछैमद्मांतैउमहो
।पिवलोनीगेलैबारनलाढ़ैछै।बोलैंमो

लागपगेसिहसहस्रअतिकुंजलांगाप।
ष्माला।मांवतियेंविलेंओसाहिवाध
देसरंगमरीमैंजांमनमांनेरसिककुंव
(गुणि साधी)
रथ्रांरीवेसा।इंद्रीआंचांमांतुरनिरषल
सिष्रावेसालागीवाहिष्मापम्रतुरागा।
दोवेरदांनहमेसाहि।लेशा।मेहरलो
दीयीष्रजबकडीरंगरीमबीनेह
लेवेंसमैंमतवालीमोजमवी
लेनगमैंमभिनायककुंदगरेबपवी
गदेमतागोहमतकियोधमतउपमां
दीकवी।७।।मुं